दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू
सत्र २०१८-१९
अभ्यास पत्र १

कक्षा - नवमीं

विशय हिन्दी

निर्देष : लेखन स्वच्छता पर विषेश ध्यान दे।

प्र.१ निम्नलिखित गद्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर दीजिए

समय-चक्र की गति बड़ी अद्भुत है। इसकी गति में अबाधता है। समय का चक्र निरंतर गतिषील रहता है, रुकना इसका धर्म नहीं है। इस संसार की कोई भी वस्तु रुक सकती है, किसी में किसी भी प्रकार का अवरोध उत्पन्न हो सकता है, किंतु समय की गति अबाध रूप से चलती रहती है, इसमें निरंतरता है। यदि मनुश्य की संपत्ति एक बार नश्ट हो जाए, तो संभव है परिश्रम, प्रयत्न एवं संघर्श से वह उसे पुनः प्राप्त कर ले, किंतु बीता हुआ समय पुनः वापस नहीं आ सकता।

समय कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। वह तो बस आगे बढ़ता जाता है। आप चाहें तो समय को व्यर्थ की बातों में नश्ट कर सकते हैं और चाहें तो उसका सदुपयोग कर सकते हैं, जिससे वह आपकी उन्नति में चार चाँद लगा सकते हैं। सफलता आपके कदम चूम सकती है। समय के सदुपयोग में ही जीवन की सफलता का रहस्य निहित है। समय के सदुपयोग में ही जीवन की सफलता का रहस्य निहित है। समय का सदुपयोग करने का अधिकार सभी को समान रूप से मिला है। किसी का इस पर एकाधिकार नहीं है। संसार में जितने महापुरुश हुए हैं, वे सभी समय का सदुपयोग करने के कारण ही इस पद पर पहुँच सके हैं। काम को समय पर संपन्न करना ही सफलता का रहस्य है। समय बीत जाने पर मनुश्य के हाथ सिवाय पष्चाताप के कुछ नहीं आता?

(क) लेखक ने समय और धन में क्या अंतर बताया है?

(ख) मानव की उन्नति में चार चाँद कैसे लग सकते हैं?

(ग) महापुरुशों ने सफलता कैसे पाई?

(घ) समय की गति को 'अबाध' (बाधा रहित) क्यों कहा गया है?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांष का उपयुक्त षीर्शक लिखिए।

प्र. २ निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'गरीब निवाजु गुसईया मेरा माथै छत्रु धरै' पंक्ति का भाव स्पश्ट कीजिए।

(ख) रैदास की भाशा-षैली पर प्रकाष डालिए।

(ग) बुढ़िया को कोई भी क्यों उधार नहीं देता।

प्र.३ निर्देषानुसार उत्तर दीजिए

(क)संदिग्ध, क्षत्रिय (वर्ण विच्छेद कीजिए)

(ख) ष्+र्+अ+म+अ+स्+आ+ध्+य्+अ

व्+इ+क्+ऋ+त्+अ (वर्ण संयोग कीजिए)

(ग) परिस्थिति (उपसर्ग व मूलषब्द अलग कीजिए)

(घ) द्रवित (मूलषब्द व प्रत्यय अलग कीजिए)

प्र.४ निम्नलिखित संकेत बिंदुओं के आधार पर ८० से १०० षब्दों में अनुच्छेद लिखिए :

बचत : जीवन की सुरक्षा

संकेत बिंदु 'बचत का वास्तविक अर्थ, 'बचत की आवष्यकता 'इसके लाभ

प्रष्न-५ आपके मित्र को एक साहसिक कार्य के लिए राष्ट्रपति से पुरस्कार मिला है। उसे बधाई पत्र लिखिए।